टिप्पणी

पाठ्यक्रम

सैन्य अध्ययन
उच्च माध्यमिक पाठ्यक्रम

सैन्य प्रशिक्षक प्रक्रिया का उद्देश्य सेवा के जवानों की अपनी-अपनी भूमिका में योग्यता और क्षमता को बेहतर बनाना है। सैन्य प्रशिक्षण का प्राथमिक रूप जवानों का प्रशिक्षण है जो अनुकूलन की विभिन्न तकनीकों को अपना कर साधारण लोगों को सैन्य प्रणाली में ढालने का प्रयास करता है तथा सुनिश्चित करता है कि वे सभी आदेशों और आज्ञा का बिना किसी हिचक के पालन करेंगे तथा उन्हें आधारभूत सैन्य कौशलों की शिक्षा भी देता है। भारतीय सशस्त्र बलों को प्रशिक्षण देने के तरीके में सैनिकों को युद्ध क्षेत्र की स्थितियों पर काबू पाने के लिए वैयक्तिक कौशलों से संपन्न करना होता है इसलिए यह प्रशिक्षण मूलत: युद्ध अभ्यास और उसकी प्रक्रियाओं तक ही सीमित होता है। हालाँकि भविष्य के संघर्षों में प्रौद्योगिकी में आए तीव्र बदलावों के कारण सैनिकों को शांति और संघर्ष के जटिल स्वभाव की स्थिति से निपटने का ज्ञान होना चाहिए और उन्हें जानकारी पूर्ण निर्णय लेने में सक्षम होना चाहिए। भारत जब अन्य देशों के साथ मिल कर सैन्य अभ्यास करता है तो सैन्य कूटनीति के इस माध्यम से सैनिकों को हथियारों का प्रयोग करने के अतिरिक्त बहुत महत्वपूर्ण जानकारी एवं अनुभव प्राप्त होता है।

अन्य विकसित देशों की भांति हमारे देश को भी सैन्य और सुरक्षा के विषय में नियंत्रण करने में तथा सरकार को परामर्श देने में विशेषज्ञता की ज़रुरत है। सरकार ने नीति निर्माण में शिक्षाविदों को शामिल करना शुरू किया है। यह पाठ्यक्रम सुरक्षा पर रणनीतिक सोच के लिए नींव डाल सकता है इस लिए यह पाठ्यक्रम स्कूल स्तर पर शिक्षार्थियों के लिए महत्वपूर्ण है।

उच्च माध्यमिक स्तर पर शिक्षार्थी को सैन्य सामग्री और सैन्य सोच की सही जानकारी होनी चाहिए। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य देश की सैन्य शक्ति के ज्ञान के अधूरेपन को कम करना है तथा देश और लोगों को सुरक्षा प्रदान करने के विभिन्न पहलुओं में अंतर कम करना है। उच्चतर माध्यमिक सैन्य अध्ययन का पाठ्यक्रम रक्षा बल के संगठनों से जुड़े सुरक्षा के आधारभूत सिद्धांतों, युद्ध और शांति में सेना की भूमिका तथा पड़ोसी देशों के साथ भारत के संबंधों की जानकारी प्रदान करेगा। यह पाठ्यक्रम भारतीय सशस्त्र बलों के पास वर्तमान में उपलब्ध उपकरणों की एक झलक प्रस्तुत करेगा तथा उनकी क्षमता और योग्यता एवं सेना के क्षेत्र में भावी प्रौद्योगिकी के विकास की झलक भी देगाा जिसमें परमाणु, जैविक और रसायनिक युद्ध शामिल हैं।

पाठ्यक्रम

टिप्पणी

उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के मुख्य उद्देश्य हैं-

- यह पाठ्यक्रम सेवारत सैनिक विद्यार्थियों में सेवा के दौरान तथा पुनः शहरी जीवन में पुनर्स्थापित होने के लिए आवश्यक योग्यता और कौशल उत्पन्न करेगा।
- यह पाठ्यक्रम शैक्षिक एवं व्यवसायिक मानकों को बेहतर बनाने के लिए सैन्य सुरक्षा के सिद्धांतों का परीक्षण एवं उन्हें लागू करने तथा अभ्यास करने का अवसर प्रदान करेगा।
- इस पाठ्यक्रम की विषय सामग्री से प्राप्त ज्ञान शिक्षार्थियों को सैन्य अध्ययन के संपूर्ण विचार को एक विषय के रूप में जानने तथा उसे शासन में लागू करने योग्य बनाएगा।
- शिक्षार्थियों को सैन्य संगठन के विभिन्न पक्षों, भूमिका तथा सशस्त्र बलों द्वारा किए जाने वाले कार्यों की जानकारी देना और समझ पैदा करना।
- भारत के पड़ोसी देशों के साथ संबंधों और उसके महत्व को समझना
- सैन्य क्षेत्र में प्रौद्योगिकी विकास के आधारभूत सिद्धांतों को समझना

लक्ष्य समूह

निम्नलिखित लक्ष्य समूह में शामिल हैं-

अ) सशस्त्र बलों के दसवीं पास लड़ाकू और गैर लड़ाकू जवान (व्यापारी) (Tradesmen)

ब) भारत के सामान्य विद्यार्थी जो राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान के माध्यम से पढ़ना चाहते हैं।

दृष्टिकोण

नया विषय होने के कारण तथा स्कूल में प्रारंभिक वर्षो में इस प्रकार की सामग्री न होने के कारण निश्चित रूप से यह आवश्यक है कि इस पाठ्यक्रम को तार्किक ढंग से क्रमबद्ध किया जाए तथा राष्ट्रीय सुरक्षा और सेना से जुड़ी शब्दावली को यथासंभव सरल रखा जाए। इसलिए पाठ्यक्रम इस प्रकार तैयार किए गए है कि वे आधारभूत प्रश्नों जैसे क्या, क्यों और कैसे का उत्तर दे सकें।

पूर्व आवश्यकताएँ

यह पाठ्यक्रम उन शिक्षार्थियों के लिए तैयार किया गया है जिन्होंने दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा को राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी संस्थान से जारी रखना चाहते हैं।

समानता

यह पाठ्यक्रम इंटरमीडिएट के तुल्य तथा अन्य बोर्डों जैसे सी.बी.एस.ई., आई.सी.एस.ई. के उच्चतर माध्यमिक स्तर के समान है।

शिक्षण का माध्यम

अंग्रेजी और हिन्दी (इस पाठ्यक्रम को और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवादित किया जाएगा)

पाठ्यक्रम की अवधि–

इस पाठ्यक्रम की अवधि एक वर्ष होगी जिसे अधिकतम पाँच वर्षों में पूरा किया जा सकेगा।

अंक भार

लिखित – 100%

शिक्षक अंकित मूल्यांकन कार्य (टी.एम.ए.) – 20% (लिखित परीक्षा का 20%)

शिक्षण-विधि –

लिखित – स्व अध्ययन के लिए मुद्रित सामग्री प्रदान की जाएगी तथा शौक्षणिक सहायता के लिए आमने-सामने बैठ कर अध्ययन की कक्षाएँ भी होगी।

मूल्यांकन-पद्धति –

लिखित परीक्षा – 100 अंक

टी.एम.ए. – (लिखित परीक्षा का) 20%

उत्तीर्ण होने का मापदण्ड – परीक्षा में न्यूनतम 33% अंक प्राप्त करना

पाठ्यक्रम-संरचना –

प्रत्येक माड्यूल के लिए अंकों का वितरण तथा अध्ययन के लिए घंटे निम्न प्रकार से होंगे-

क्रमांक	माड्यूल का नाम	अंक	अध्ययन के घंटे
1.	सैन्य अध्यन	13	31
2.	बलों की संरचना और भूमिका	13	31
3.	सुरक्षा और भू-रणनीति	14	34
4.	भारतीय सशस्त्र बल : हथियार और युद्ध सामग्री एवं आधुनिकीकरण	20	48
5.	युद्ध और इसके प्रकार	20	48
6.	सशस्त्र बल और आंतरिक सुरक्षा में इनकी भूमिका	20	48
	कुल योग	100	240

पाठ्यक्रम

टिप्पणी

पाठ्यक्रम विवरण

माड्यूल 1 - सैन्य अध्ययन

अंक - 13 अध्ययन के घंटे - 31

दृष्टिकोण-

सैन्य अध्ययन को सैन्य विज्ञान भी कहा जाता है और यह राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में सशस्त्र बलों की भूमिका, उनके संगठन और संरचना का अध्ययन भी होता है। उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम को इस प्रकार विकसित किया गया है कि इससे देश के सशस्त्र बलों की आधारभूत जानकारी और समझ मिल सके तथा इसका उद्देश्य भारत के सुरक्षा के मामलों की मूल जानकारी में रुचि उत्पन्न करना है। यह पाठ्यक्रम राष्ट्रीय सुरक्षा के उच्च अध्ययन की नींव तथा ऊपर चढने के लिए एक सीढ़ी बन सकता है। इस माड्यूल में शामिल किए गए विषय समझ पैदा करने के लिए आधारभूत स्तर के हैं। ज्ञान अर्जित करने के स्तर को बढ़ाने के लिए जहां आवश्यक था-वहां चित्रों के माध्यम से समझाया गया है।

1. **सैन्य अध्ययन का महत्व**
2. **सैन्य अध्ययन की अवधारणा और विकास**
3. **वर्तमान में सैन्य अध्ययन आवश्यकता**

माड्यूल - 2 बलों की संरचना और भूमिका

अंक - 13 अध्ययन के घंटे - 31

दृष्टिकोण

हमारे सशस्त्र बलों से जुड़े सैन्य अध्ययन के माड्यूलों की निरंतरता के रूप में इस माड्यूल में प्रस्तुत पाठ्य सामग्री में बलों के संगठन, विशेष बलों, अर्द्धसैनिक बलों, उनकी भूमिका और संरचना को जोड़ा गया है। विशेष बलों पर एक पाठ को जोड़ने का निर्णय इसलिए किया गया कि राष्ट्रीय सुरक्षा की स्थिति में इनकी भूमिका एवं उपयोगिता अधिक मुखर है। संरचना और संगठन के माध्यम से विद्यार्थी समझ जाते हैं कि किसी बल को अपनी भूमिका और दायित्व निभाने के लिए क्या आकार दिया जाता है।

1. **सशस्त्र बल**
2. **विशेष बल**
3. **अर्द्धसैनिक बल**

माड्यूल - 3 सुरक्षा और भू-रणनीति

अंक - 14 अध्ययन के घंटे - 34

दृष्टिकोण

सुरक्षा और भू-रणनीति नामक पाठ का उद्देश्य भारत के भू-रणनीतिक महत्व, इसके विभिन्न

प्राकृतिक संसाधनों तथा आर्थिक शक्ति का विवरण प्रदान करना है। यह भारत की भौगोलिक स्थिति का रणनीतिक महत्व स्पष्ट करने में तथा देश के प्राकृतिक एवं मानव संसाधनों को आगे खोजने में सहायक होगा। यह माड्यूल संसाधनों के आर्थिक लाभों को स्पष्ट करेगा तथा पड़ोसी देशों के साथ रणनीतिक संबंधों का सार भी प्रस्तुत करेगा। इस माड्यूल में भारत की समुद्री सुरक्षा की समस्या को भी उजागर किया गया है।

1. ***भू-रणनीति***
2. ***भू-राजनीति***
3. ***समुद्री सुरक्षा***

माड्यूल-4 भारतीय सशस्त्र बल : हथियार, युद्ध के उपकरण एवं आधुनिकीकरण

अंक - 20 अध्ययन के घंटे - 48

दृष्टिकोण

भारतीय सशस्त्र बलों के पास विभिन्न प्रकार के आधुनिक हथियार और युद्ध में सहायक उपकरण उपलब्ध हैं। इस माड्यूल का उद्देश्य सेना, वायुसेना और नौसेना द्वारा प्रयोग किए जा रहे हथियारों और उपकरण का विवरण प्रदान करना है। इसका लक्ष्य जनता की जानकारी के अंतर्गत आने वाली हथियारों की जानकारी को प्रदान करना है। किसी भी वर्गीकृत हथियार अथवा उपकरण को इसमें शामिल नहीं किया गया है। हथियारों के बारे में समझाते हुए बलों की भूमिका का सार भी उजागर किया गया है ताकि बेहतर संयोजन के बीच एक अंर्तसंबंध स्थापित हो सके। भावी संभावनाओं में आधुनिकीकरण की योजनाएं, आधुनिकीकरण की आवश्यकता तथा कुछ हथियारों की प्रणालियों की झलक को शामिल किया गया है।

1. **सशस्त्र बलों की भूमिका और उनके उपकरण**
2. **भारतीय सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण**

माड्यूल-5 युद्ध और इसके प्रकार

अंक - 20 अध्ययन के घंटे - 48

दृष्टिकोण

परम्परागत हथियारों के पाठ की निरंतरता की दृष्टि से भारत के पास परमाणु हथियारों में परमाणु, जैविक और रसायनिक हथियारों की मौखिक जानकारी प्राप्त करने को आवश्यक बना दिया है। यह पाठ परमाणु क्रिया तथा सशस्त्र बलों द्वारा इन्हें प्रयोग करने की प्रारंभिक जानकारी प्रदान करता है। परमाणु बम्बों के प्रकार के प्रभाव और उससे सुरक्षा के उपायों की बेहतर जानकारी के लिए पाठ्यसामग्री को समुचित चित्रों और वीडियोज के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

टिप्पणी

इसके साथ ही साईबर स्पेस की नई दुनिया और हाई पावर क रूप में इसकी शक्ति ने वर्तमान में इस विषय के अध्ययन को आवश्यक बना दिया है। साईबर स्पेस और इसके खतरों को आवश्यक रक्षात्मक तरीकों के साथ आवश्यक ढंग से शामिल किया गया है।

1. **परमाणु युद्ध**
2. **रसायनिक युद्ध**
3. **जैविक युद्ध**
4. **साईबर युद्ध**

माड्यूल-6 सशस्त्र बल और आंतरिक सुरक्षा में इसकी भूमिका

अंक - 20 अध्ययन के घंटे - 48

दृष्टिकोण

सशस्त्र बल प्राय युद्ध से जुड़े रहते हैं। समाज के हित में सशस्त्र बलों का उपयोगी प्रयोग ज्ञान का एक आवश्यक अंग है। सशस्त्र बल समाज के उत्थान में एक महत्वपूर्ण भूमिता निभाते हैं। इस माड्यूल में संयुक्त राष्ट्र द्वारा संचालित शाक्ति स्थापना की कार्रवाइयों को तथा हमारी प्रतिभागिता एवं वर्तमान में तैनाती को शामिल किया गया है। इस माड्यूल में प्रबंधन तथा आंतरिक सुरक्षा में सशस्त्र बलों की भूमिका को भी शामिल किया गया है। प्राप्त जानकारी को चिरंजीवी बनाए रखने के लिए उपयुक्त पैराग्राफ तथा आडीयो-वीडियो के वेब-लिंक दिए गए हैं। विषय को तार्किक जानकारी को सरल भाषा में एक-एक करके प्रस्तुत किया गया है।

1. **सशस्त्र बल और शांति स्थापना**
2. **सशस्त्र बल और आपदा प्रबंधन**
3. **सशस्त्र बल और आंतरिक सुरक्षा**